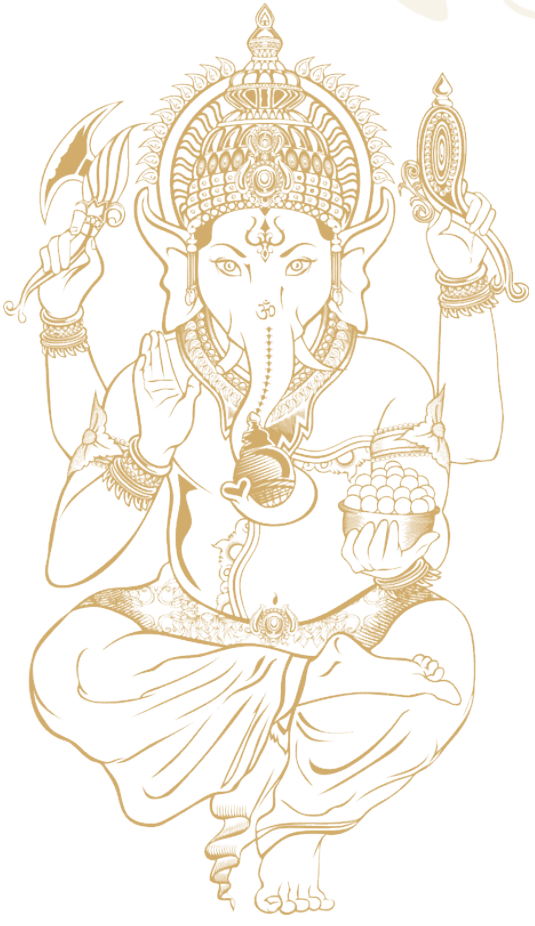

Mr. Harshvardhan

Ms. Megha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119690813

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11-12/08/1996	जन्म तिथि	06/08/1997
रवि-सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 04:02:00	जन्म समय	08:14:00 घंटे
घटी 57:19:42	जन्म समय(घटी)	07:56:16 घटी
India	देश	India
Siliguri	स्थान	Gauhati
26:42:00 उत्तर	अक्षांश	26:10:00 उत्तर
88:26:00 पूर्व	रेखांश	91:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:44	स्थानिक संस्कार	00:37:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:06:07	सूर्योदय	04:55:00
18:15:25	सूर्यास्त	18:06:14
23:48:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 4वर्ष 2मा 29दि	10:57:18	कर्क	लग्न	कन्या	03:52:08	शुक्र 9वर्ष 8मा 4दि
बुध	25:41:40	कर्क	सूर्य	कर्क	19:51:51	मंगल
11/11/2019	29:47:39	मिथु	चंद्र	सिंह	20:12:48	12/04/2023
10/11/2036	17:37:14	मिथु	मंगल	तुला	01:11:21	11/04/2030
बुध 08/04/2022	21:14:11	सिंह	बुध	सिंह	17:01:04	मंगल 08/09/2023
केतु 05/04/2023	14:48:29	धनु व	गुरु व	मक	23:37:37	राहु 25/09/2024
शुक्र 03/02/2026	10:14:28	मिथु	शुक्र	सिंह	22:28:01	गुरु 01/09/2025
सूर्य 11/12/2026	13:06:32	मीन व	शनि व	मीन	26:31:15	शनि 11/10/2026
चन्द्र 11/05/2028	15:24:00	कन्या व	राहु व	सिंह	26:13:17	बुध 08/10/2027
मंगल 08/05/2029	15:24:00	मीन व	केतु व	कुंभ	26:13:17	केतु 05/03/2028
राहु 26/11/2031	08:06:13	मक व	हर्ष व	मक	12:34:57	शुक्र 05/05/2029
गुरु 03/03/2034	01:55:20	मक व	नेप व	मक	04:19:24	सूर्य 10/09/2029
शनि 10/11/2036	06:31:24	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:01:10	चन्द्र 11/04/2030

लग्न-चलित

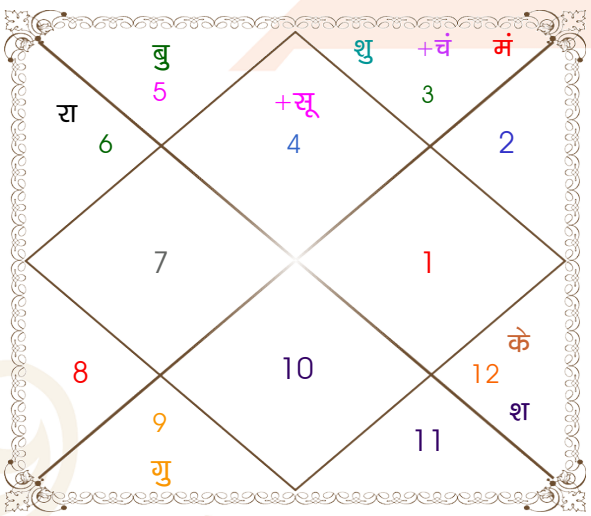

लग्न-चलित

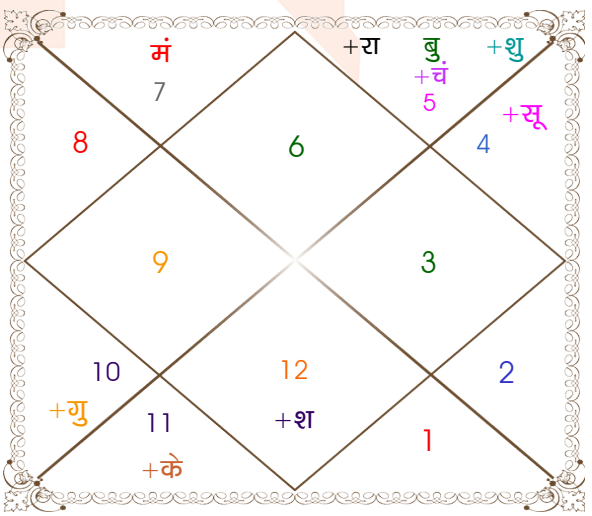

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मूषक	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

डतण भ्तेीअंतर्कीद का वर्ग मेष है तथा Ms. Megha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण भ्तेीअंतर्कीद और Ms. Megha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण भ्तेीअंतर्कीद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण भ्तेीअंतर्कीद कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डतण भ्तेीअंतर्कीद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Megha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Megha कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण भ्तीौअंतकींद तथा Ms. Megha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।